उत्तराखण्ड की पत्रकारिता का सफर (4)th

⇒ देहरादून के तीन अखबार 'अनवर आलम', 'वायस आफ दि दून', और कॉस्मोपोलिटन और इनके अलावा भी कलकत्ता, मुम्बई, बनारस, इलाहाबाद, मेरठ, पंजाब से भी देहरादून स्थित 'गढ़वाली प्रेस' में अखबार छपने आते थे।

⇒ 'कॉस्मोपोलिटन' अखबार बैरिस्टर बुलाकी राम का था, जो कि 1911 से छपना शुरू हुआ 'अनवर आलम', 'वायस ऑफ दि दून' के सम्पादकों और संचालकों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई।

⇒ गढ़वाली के सम्पादक विश्वम्भर दत्त चन्दोला पर रवांई काण्ड के सिलसिले में टिहरी रियासत के दीवान चक्रधर जुयाल ने मानहानि का मुकदमा चलाया। चंदोला ने अपने उस संवाददाता का नाम अदालत में नहीं बताया जिसने वह रिपोर्ट भेजी थी इसलिए उन्हें एक वर्ष की जेल की सजा काटनी पड़ी। यही जेल की सजा उन्हें उत्तराखण्ड की पत्रकारिता का युग पुरुष बना गई।

⇒ महान क्रान्तिकारियों में गिने जाने वाले राजा महेन्द्र प्रताप सिंह ने देहरादून से ही 1914 में हिन्दी साप्ताहिक 'निर्बल सेवक' तो मानवेंद्रनाथ राय ने 1937 में में अंग्रेजी मासिक पत्रिका 'रेडिकल ह्यूमनिस्ट' और साप्ताहिक 'इंडिपेंडेंट इण्डिया' का प्रकाशन शुरू किया। 'निर्बल सेवक' बैरिस्टर बुलाकी राम की कॉस्मोपोलिटन प्रेस से छपता था। गढ़वाल मंडल में ही प्रख्यात साहित्यकार डा० पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने श्रीनगर गढ़वाल से एक हस्तलिखित पत्रिका 'मनोरंजनी' निकाली थी डा० बड़थ्वाल ने अपने छात्र जीवन में इलाहाबाद से सन् 1921 में 'हिलमैन' पत्रिका शुरू की थी।

⇒ राष्ट्रीय आन्दोलन के संग्रामी तथा बैरिस्टर मुकुंदीलाल ने जुलाई, 1922 में लैंसडौन से तरुण कुमाऊं (1922-23) का प्रकाशन कर राष्ट्रीय तथा स्थानीय मुद्दों को साथ-साथ अपने पत्र में स्थान देने की कोशिश की जब बैरिस्टर मुकुंदीलाल ने 'गढ़वाली प्रेस' देहरादून से तरुण कुमाऊँ मासिक पत्र का मुद्रण शुरू किया

* क्षत्रीय वीर (पत्र) — ठा. प्रताप सिंह नेगी

⇒ 'उत्तराखण्ड के जन-जागरण और आन्दोलनों का इतिहास' पुस्तक — डा० योगेश धस्माना

* सत्यवीर — डा० हरदेव सिंह (ऋषिकेश से)
* गढ़देश (अखबार) — कृपाराम मिश्र
* गढ़वाल हितैषी — रामबहादुर पीताम्बर दत्त पसबोला

⇒ सन् 1937 में कोटद्वार से ज्योति प्रसाद माहेश्वरी ने साप्ताहिक 'उत्थान' पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया

⇒ 1936 में पं० महेशानंद थपलियाल ने पौड़ी से 'उत्तर भारत' अखबार शुरू किया

⇒ लैंसडौन से 1939 में 'कर्मभूमि' का भी प्रकाशन हो गया। कुमाऊँ मण्डल के 'शक्ति' की तरह 'कर्मभूमि' भी आजादी के आन्दोलन का संशक्त स्तम्भ बना इसे पहले संपादक भक्त दर्शन और इनके सहायक भैरव दत्त धूलिया थे।

⇒ उत्तर प्रदेश सरकार ने 'शक्ति' के साथ ही 'कर्मभूमि' को भी स्वतन्त्रता सेनानी अखबार घोषित किया था

* सत्यपथ — ललिता प्रसाद नैथानी (1936)
तरुण हिन्द — भोगेश्वर प्रसाद धूलिया

UTTARAYAN IDEAL EXAM NOTES